Tropical Forest Research Institute, Jabalpur (M.P.)

Invites You To The

National Conference (virtual mode)

On

"Value addition and Marketing of NTFPs"

(under Azadi ka Amrit Mahotsav)

16th DECEMBER 2021

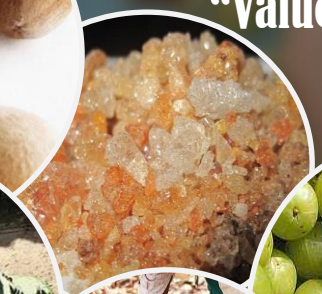

The NTFPs play important roles in the livelihoods of millions of rural and urban people across the globe. The tribal community of India collects NTFPs, estimated to be worth around Rs. two trillion annually. Besides, approximately 275 million poor rural people in India, depend on NTFPs for at least part of their subsistence and cash livelihoods through collection, harvest and sale of the produce. However, these collections and sale don't translate into prosperity and steady income for the community. The purpose of this National conference is to provide a platform to all the stakeholders to share their views and experiences on various issues related to NTFPs in ensuring improved livelihoods of dependent communities.

Call for the abstract

Researchers, Academicians, Forest Department officials, Entrepreneurs, NTFP traders/ gatherers, NGOs, Industrialists etc. working on NTFPs and medicinal plants are invited to participate. Abstracts are invited which will be published in the Souvenir of the conference. **Full length papers of submitted abstracts will be published in an special issue of *Indian Journal of Tropical Biodiversity*** (Nass rating: 4.02) after peer review. Among all abstracts, few abstracts under each theme will be selected for oral presentations. Lectures on mentioned themes will be delivered by learned speakers to benefit the participants/ stakeholders.

Guidelines for full length paper providing in the link
https://tfri.icfre.gov.in/IJTB-Journal/AuthorsInstructions.html

Themes of the conference

- Conservation of NTFPs - RET species
- Resource assessment and augmentation of NTFPs
- Collection, harvesting, processing and value addition of NTFPs
- Quality standardization and certification of NTFPs
- NTFPs marketing: Issues and strategies

Abstracts of about 300 words including concise title, name of author (s), affiliation and 4 to 5 key words, Times New Roman, font size 12 and spacing 1.5 (MS word), should sent to organizing secretary through email: ntfpconference.tfri@gmail.com

Abstracts may be submitted either in English or Hindi. The selected presenters will be intimated and the link for joining the programme online will also be communicated.

E- Certificates will be provided to the participants

Date of Conference:
16 December 2021

Last date of Abstract submission:
01 December 2021

Acceptance notification Latest by:
07 December 2021

Full paper submission
31 December 2021

Patron
Dr. A. S. Rawat, IFS
DG, ICFRE, Dehradun

Convenor
Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS
Director, TFRI

Organizing Secretary
Dr. Hari om Saxena

Jt. Secretaries
Dr. M. Kundu
Dr. N. berry
Mr. Neeraj Prajapati

Registration link: https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdmLOTEB5Na2f0CvNCjKLui1gt9Aqu3RGS-zaY4DAxfDfGGkQ/viewform?usp=pp_url

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र.)

आपको आमंत्रित करता है

“अकाष्ठ वनोपजों का मूल्यवर्धन और विपणन”

पर

राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल मोड)

(आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत)

16 दिसंबर 2021

अकाष्ठ वनोपज दुनिया भर में लाखों ग्रामीण और शहरी लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में आदिवासी समुदाय द्वारा एकत्र किये जाने वाले अकाष्ठ वनोपज की सालाना कीमत लगभग दो ट्रिलियन रुपये है। भारत में लगभग 275 मिलियन गरीब ग्रामीण अपने जीवन निर्वाह और नकद आजीविका के लिए अकाष्ठ वनोपज के संग्रहण,विदोहन,बिक्री पर निर्भर हैं। हालांकि, इनका संग्रहण और बिक्री समुदाय की सतत समृद्धि और नियमित आय में तब्दील नहीं होती हैं। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य आश्रित समुदायों की बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने के लिए सभी हितग्राहियों को अकाष्ठ वनोपज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

सार के लिए कॉल

अकाष्ठ वनोपज पर काम करने वाले शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, वन विभाग के अधिकारियों, उद्यमियों, व्यापारियों / संग्रहणकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों, आदि को इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाता है। सार आमंत्रित हैं जिन्हें सम्मेलन की स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा। प्रस्तुत सार के पूर्ण पेपर समीक्षा के बाद **इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल बायोडायवर्सिटी** (नास रेटिंग: 4.02) के एक विशेष अंक में प्रकाशित किए जाएंगे। सभी सार तत्वों में से प्रत्येक विषय के अंतर्गत कुछ सार का चयन मौखिक प्रस्तुतियों के लिए किया जाएगा। प्रतिभागियों / हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए विद्वान वक्ताओं द्वारा उल्लिखित विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे।

Guidelines for full length paper providing in the link
https://tfri.icfre.gov.in/IJTB-Journal/AuthorsInstructions.html

सम्मेलन के विषय

- विलुप्त हो रहे अकाष्ठ वनोपजों का संरक्षण
- अकाष्ठ वनोपजों का संसाधन मूल्यांकन एवं संवर्द्धन
- अकाष्ठ वनोपजों का संग्रहण, कटाई, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन
- अकाष्ठ वनोपजों का गुणवत्ता मानकीकरण और प्रमाणन
- अकाष्ठ वनोपजों का बाजार : मुद्दे और रणनीतियाँ

संक्षिप्त शीर्षक, लेखक का नाम, संबद्धता और 4 से 5 प्रमुख शब्द, Kruti Dev 010, फ़ॉन्ट आकार 12 और रिक्ति 1.5 (एमएस शब्द) सहित लगभग 300 शब्दों के सार, ईमेल (ntfpconference.tfri@gmail.com) के माध्यम से आयोजन सचिव को भेज सकते है।

सार अंग्रेजी या हिंदी में प्रस्तुत किया जा सकता है। चयनित सारों (अब्स्ट्रैक्ट्स) को राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया जाएगा। ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मलित होने हेतु लिंक भी साझा किया जाएगा।

सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए

सम्मेलन की तिथि:
16 दिसंबर 2021

सार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:
01 दिसंबर 2021

सार स्वीकृति सूचना:
07 दिसंबर 2021

पूर्ण पेपर प्रस्तुत करने की तिथि
31 दिसंबर 2021

संरक्षक
डॉ. ए.एस. रावत, आईएफएस
डीजी, आईसीएफआरई, देहरा दून

संयोजक
डॉ. जी. राजेश्वर राव, एआरएस
निदेशक, टीएफआरआई

आयोजन सचिव
डॉ. हरिओम सक्सेना

संयुक्त सचिव
डॉ ऍम कुंडू
डॉ ननिता बेरी
श्री **नीरज प्रजापति**

Registration link: https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdmLOTEB5Na2f0CvNCjKLui1gt9Aqu3RGS-zaY4DAxfDfGGkQ/viewform?usp=pp_url